tion of houses and that the beneficiaries should be involved in the construction right from the very beginning

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिकायें

2109. **श्री प्रमोद महाजन :**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ग्रामीण विकास विभाग कुल कितनी पत्रिकाएं प्रकाशित करता है;

(ख) पत्रिकाओं की हिन्दी और अंग्रेजी में अलग-अलग कितनी-कितनी प्रतियां मुद्रित करायी जाती हैं; और

(ग) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अंग्रेजी पत्रिकाओं के पाठक काफी कम हैं; सभी पत्रिकाओं को हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित कराने की योजना का ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : (क) ग्रामीण विकास मंत्रालय केवल चार पत्रिकायें—कुरुक्षेत्र (अंग्रेजी और हिन्दी), ग्रामीण विकास न्यूजलेटर (अंग्रेजी और हिन्दी) प्रकाशित करता है।

(ख) हिन्दी में कुरुक्षेत्र और ग्रामीण विकास न्यूजलेटर की क्रमशः 6475 तथा 10,500 प्रतियां मुद्रित कराई जाती हैं जबकि अंग्रेजी में कुरुक्षेत्र और ग्रामीण विकास न्यूजलेटर की क्रमशः 8725 तथा 9000 प्रतियां मुद्रित कराई जाती हैं।

(ग) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा अंग्रेजी में प्रकाशित पत्रिकायें हिन्दी में भी साथ-साथ प्रकाशित की जाती हैं। इन पत्रिकाओं को अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित करने की किसी योजना पर विचार नहीं किया जा रहा है।

वार्षिक प्रतिवेदनों की विषय-वस्तु का मूल्यांकन

@2109. **श्री शिवप्रसाद चनपुरिया :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार के पास सभी वैज्ञानिक विभागों के हिन्दी में प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदनों की विषय-वस्तु का मूल्यांकन करने की कोई व्यवस्था है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि नहीं, तो क्या इस कार्य को किसी संस्थान को सौंपे जाने के लिये कोई कदम उठाये गये हैं ताकि हिन्दी में प्रकाशित प्रतिवेदनों की विषय-वस्तु की समीक्षा की जा सके और उनमें एकरूपता लायी जा सके ;

(घ) क्या वैज्ञानिक विभागों के हिन्दी में प्रकाशित प्रतिवेदनों के प्रस्तुतिकरण की वैज्ञानिकों से समीक्षा करायी जाती है और तदनुसार जिम्मेदारी निर्धारित की जाती है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) और (ख) सभी वैज्ञानिक विभाग यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी वार्षिक रिपोर्टों के अंग्रेजी और हिन्दी पाठों में दी गई सामग्री मूल रूप से एक सी हो।

सामग्री का अंग्रेजी से हिन्दी में रूपांतरण सम्बद्ध हिन्दी अनुभागों में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा विभागों के वैज्ञानिक अधिकारियों से विचार-विमर्श करते हुए एवं वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास

@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न 972, 6 मई 1992 से स्थानांतरित ।

मंत्रालय) द्वारा तैयार की गई वैज्ञानिक शब्दावली का प्रयोग करते हुए सरल हिन्दी भाषा में किया जाता है ताकि सामग्री की वैज्ञानिक यथार्थता और एकरूपता बनी रहे।

(ग) से (ङ) उपर्युक्त (क) और (ख) में बताई गई स्थिति को ध्यान में रखते हुए ये प्रश्न नहीं उठते।

Transfer of expertise of textile technology to Tazhakistan

2110. SHRI SANTOSH BAGRODIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Tazhakistan has approached India for getting expertise of our textile technology;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

Research work in the field of molecular and cellular bio-technology

2111. SHRI MOHINDER SINGH LATHER: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are promoting research work in the field of Molecular and Cellular Bio-technology to overcome the chronic viral and genetical inherited disorders; and

(b) if so, the details of the latest research work done in that direction, so far?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) and (b) The Government is promoting to a significant extent, research in the field of molecular and cellular biology related to the problems of chronic viral diseases and genetic disorders. The Departments of Biotechnology, Science and Technology, Ministry of Health and Family Wefare and the Indian Council of Medical Research have identified and suggested areas of research & development covering studies on: development of indigenous immunodiagnostic test kits for Hepatitis 'A' for early detection of the disease, molecular characterisation and cloning of the possible viral antigen for development of vaccines and/or immunodiagnostics for viral hepatitis, polio and Rotavirus diarrhoea, HTV infection in blood donors and high risk groups and surveillance of Hepatitis 'B' in high risk groups. New techniques of molecular biology such as ELISA (Enzyme Linked Immunosorbant Assay), Western Blot and Polymerase Chain Reaction (PCR) and Immunological methods are being used to study these areas. The research projects on genetic disorders related to blood and muscular dystrophies are also under investigation.

Research work done by the director of centre for cellular and Molecular biology

2112. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the present Director of Centre for Cellular and Molecular Biology (CCMB), Hyderabad, a constituent of laboratories of C.S.I.R. who was appointed more than two years ago has not been doing any research work at CCMB; and

(b) if so, the details thereof and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.